इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 5 मार्च 2025
व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
-चाणक्य
वर्ष 17 अंक 181 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12
तापमान - अधिकतम 30.8°C (+1.2) न्यूनतम 15.5°C(+2.1) सेंसेक्स 72,989.93 (-096.01) निफ्टी 22,082.65 (-036.65) सोना 87,530 चांदी 98,000 मुद्रा - डालर 87.27 दिरहम 23.76 रियाल 22.27

एरा विश्वविद्यालय में विश्व श्रवण दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के ईएनटी विभाग की ओर से विश्व श्रवण दिवस पर मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बहरेपन, न सुनने की क्षमता को रोकने और कान की देखभाल के प्रति लोगों को जागरूक करना था।

ईएनटी विभाग के एमबीबीएस छात्रों द्वारा श्रवण हानि के कारण विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसमें विभाग के संकाय, रेजीडेंट और कर्मचारियों ने भाग लिया। समुदाय के लिए अंतर-व्यावसायिक सहयोगी दृष्टिकोण, सिमुलेशन की एक आउटरीच गतिविधि, श्रवण सहयोगी नामक एक मॉड्यूल के साथ कान और सुनने की

देखभाल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित की गई थी। यह गतिविधि सरफराजगंज स्थित लिट्ज अकादमी में शिक्षकों, छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए आयोजित की गई थी। मॉड्यूल में कान में न डालने वाली वस्तुएं जैसे माचिस की तीली, चाबी, पेंसिल, सेफ्टी पिन आदि और साथ ही ऐसी आदतों के परिणामों के बारे में भी बताया गया। कान में मैल और खून का सिमुलेशन मनोरंजन किया गया। इसके बाद लिट्ज अकादमी के प्राथमिक छात्रों ने कान और सुनने की देखभाल विषय पर फैंसी ड्रेस प्रस्तुत की। गतिविधि का संचालन एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) अनुजा भार्गव, रेजिडेंट डॉ. हिमांशु शर्मा, ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट तबिंदा नकवी द्वारा किया गया।

अतिथि व्याख्यान का संचालन डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉ. आशीष चंद्र अग्रवाल और विशेष शिक्षिका एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की शर्मिष्ठा बसु द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एरा यूनिवर्सिटी की प्रो. वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) फरजाना मेहदी, निदेशक राष्ट्रीय कार्यक्रम चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शुभा मिश्रा,एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल डॉ. (प्रो.) जमाल मसूद और ईएनटी विभाग की प्रमुख डॉ. अनुजा भार्गव मौजूद थे। व्याख्यान में एरा यूनिवर्सिटी के संकाय, रेजिडेंट डाक्टर, ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट, नर्सिंग स्टाफ व नर्सिंग छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्रों द्वारा कान और श्रवण देखभाल विषय पर बनाए गए चार्ट और मॉडलों का प्रदर्शन भी किया गया।